प्रमुख चुनौतियाँ

- अत्यधिक मानसूनी वर्षा
- पर्वतीय क्षेत्रों में नदी के जलस्तर का तेजी से बढ़ना
- सीमापार ऊपरी और निचले क्षेत्रों के बीच बाढ़ का जोखिम
- नदी तटों के निकट स्थित बस्तियाँ और कृषि भूमि
- ऐसे नदी घाटियों में बाढ़ अक्सर बहुत तेजी से विकसित होती है, जिससे प्रतिक्रिया के लिए बहुत कम समय मिल पाता है। इसलिए जीवन और आजीविका की सुरक्षा के लिए समय पर, विश्वसनीय और लोगों-केंद्रित चेतावनी प्रणाली अत्यंत आवश्यक है।

CBFEWS के मुख्य घटक

जोखिम को समझना और पहचानना

समुदाय बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों, संवेदनशील समूहों और सुरक्षित स्थानों की पहचान करते हैं, ताकि बेहतर तैयारी और योजना बनाई जा सके।

सामुदायिक निगरानी और पूर्व चेतावनी

स्थानीय स्वयंसेवक वर्षा और नदी के जलस्तर पर निगरानी रखते हैं और सरल उपकरणों तथा स्थानीय ज्ञान की सहायता से समय पर चेतावनी देते हैं।

सूचना का प्रसार और संचार

चेतावनी संदेश स्थानीय माध्यमों—जैसे झंडे, सायरन, मोबाइल फोन और मौखिक सूचना—के माध्यम से तेजी से साझा किए जाते हैं।

प्रतिक्रिया और तैयारी

तैयारी अभ्यास (ड्रिल), निकासी योजनाएँ और सामुदायिक समन्वय स्थानीय स्तर पर आपदा के समय प्रभावी प्रतिक्रिया और पुनर्वास क्षमता को मजबूत बनाते हैं।

तकनीकी एवं वित्तीय सहयोग

Sida TROSA TRANS-BOUNDARY RIVERS OF SOUTH ASIA IUCN

प्रकाशन

CEDAR

महाकाली क्षेत्र में बाढ़ पूर्व सूचना समूह के सदस्यों का विवरण

1. कालिका–छारछुम क्लस्टर
करिश्मा देवी (9528840851)
कमला देवी (7017755034)
पूजा देवी (7037492978)
यशोदा भट्ट (9756170406)

2. कनरी–बल्तरी क्लस्टर
जगदीश चन्द (9457539289)
मनीषा चन्द (9411316290)

3. मटियानी–पासम क्लस्टर
कैलाश सिंह (9389296181)
बंसीधर तिवारी (79000258933)

4. सैलानीगोठ–फागपुर क्लस्टर
रेशमा देवी (8218524338)
गीता चन्द (9548002658)

5. बंदर बोझ–पुरनपुर क्लस्टर
द्वारिका देवी (9520690079)
सरिता देवी (8445998246)
मीरा देवी (9058984216)
सपना देवी (9634180792)

6. भानपुरी कॉलोनी क्लस्टर
विजय कुमारी (8953968516)
गुड्डी देवी (9559663617)
गायत्री देवी (7518717146)
गोपाल (9793912520)

7. श्रीनगर–पलियाकलां क्लस्टर
संदीप निषाद (9807967086)
राजीव कुमार (7080504981)
सुशीला देवी (8858770049)

8. बलाहा–निघासन क्लस्टर
पम्मी (9670031354)
दयावती (9120606959)
सर्वेश कुमार (9721822362)
रिज़वान मोहम्मद (9918676789)

i. दार्चुला
अमृता बाम (9868712377)
पार्वती बुढाथोकी (9864758564)
भागरथी बिष्ट (9745576920)
भागरथी भंडारी (9746333193)
दीपा चंद (9865323988)
कविता कुँवर (9847594446)
पम्मी (9670031354)
दयावती (9120606959)
सर्वेश कुमार (9721822362)
रिज़वान मोहम्मद (9918676789)

ii. बैतड़ी
प्रताप बिडाल (9863362691)
तारा कार्की (9868738010)

iii. डडेलधुरा
माधवी सिंह (9847145857)
भावना खड़का (9867593970)
तारा जोशी (9841282928)
रमेश पनेरू (9848781506)
मीना साउद (9868526229)
यादव बोगटी (9806404525)

iv. कंचनपुर
धना कुमारी गिरी भारती – मुसेट्टी (9848993601)
पूजा बढ़ी – बड़ीबस्ती (9761311261)
धनंजय जोशी – भुजेला (9848703301)
हेमा थापा रोकाया – सोनापुर (9843983564)
कविता लोहार – रामानुज (9842227466)
पूर्णा देवी कसेरा (9806428331)
रूपा सुनार – कुटियाकबर (9810605715)

सामुदायिक आधारित बाढ़ पूर्व चेतावनी प्रणाली (CBFEWS): बाढ़ आने से पहले कार्रवाई करने के लिए समुदायों को सशक्त बनाना

सामुदायिक आधारित बाढ़ पूर्व चेतावनी प्रणाली क्यों आवश्यक है?

बाढ़ सबसे अधिक होने वाली और विनाशकारी आपदाओं में से एक है। दूरस्थ या कम संसाधनों वाले क्षेत्रों में अक्सर उन्नत तकनीक आधारित चेतावनी प्रणालियाँ उपलब्ध नहीं होतीं—लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि हम असहाय हैं।

सामुदायिक आधारित बाढ़ पूर्व चेतावनी प्रणाली (CBFEWS) लोगों को स्थानीय ज्ञान, सरल उपकरणों और मजबूत सामुदायिक समन्वय के माध्यम से बाढ़ की स्थिति की निगरानी करने, जानकारी साझा करने और समय रहते कार्रवाई करने में सक्षम बनाती है।

महाकाली–शारदा नदी बेसिन का मानचित्र, जिसमें प्रमुख नदियाँ और बाढ़ निगरानी *(वॉटर लेवल/डेंजर लेवल)* स्टेशन दर्शाए गए हैं।
स्रोत: सेंट्रल वाटर कमीशन *(CWC)*, भारत।

बाढ़ से सुरक्षा के उपाय

बाढ़ से पहले क्या करें?

1. मौसम पूर्वानुमान और चेतावनी संदेशों के प्रति सतर्क रहें।
2. यदि आप निचले क्षेत्र में रहते हैं तो निकासी मार्गों और सुरक्षित ऊँचे स्थानों की जानकारी रखें।
3. आपातकालीन किट तैयार रखें।

आपातकालीन किट में ये चीजें रखें:
बैटरी से चलने वाली टॉर्च, अतिरिक्त बैटरियां, बैटरी से चलने वाला रेडियो, फर्स्ट एड बॉक्स और आवश्यक दवाइयाँ, आपातकालीन सूखा भोजन, पीने का पैक्ड और सीलबंद पानी, मोमबत्तियाँ और माचिस *(वॉटरप्रूफ डिब्बे में)*, चाकू, क्लोरीन की गोलियाँ या पाउडर, महत्वपूर्ण दस्तावेज *(वॉटरप्रूफ बैग में)*, मजबूत रस्सियाँ और डोरियाँ, सही / जलरोधक जूते *(Waterproof shoes)*

बाढ़ के दौरान क्या करें?

यदि बाढ़ की चेतावनी जारी हो, तो तुरंत कार्रवाई करें और निकासी के निर्देशों का पालन करें।

- अपने घर को सुरक्षित करें और मुख्य बिजली स्विच बंद करें तथा मुख्य गैस वाल्व बंद कर दें।
- यदि आप गीले हैं या पानी में खड़े हैं, तो किसी भी विद्युत उपकरण को न छुएँ।
- आपातकालीन किट और एकत्र किए गए महत्वपूर्ण दस्तावेज साथ लें और सुरक्षित ऊँचे स्थानों या निर्धारित शरण स्थलों पर जाएँ।
- निचले इलाकों, बाढ़ मैदानों, घाटियों और नालों जैसे बाढ़ संभावित क्षेत्रों से दूर रहें।

बाढ़ के बाद क्या सावधानियाँ बरतनी चाहिए?

- बाढ़ के पानी के संपर्क में आने से बचें।
- बाढ़ के पानी के संपर्क में आया भोजन फेंक दें
- पीने और खाना बनाने के लिए अच्छी तरह उबला हुआ या क्लोरीन युक्त पानी ही उपयोग करें।
- पीने के पानी से संबंधित सलाह का पालन करें।
- बाढ़ के पानी में प्रवेश करते समय जलरोधक जूते (Waterproof) पहनें, गहराई जांचने के लिए डंडे का उपयोग करें और नालियों व सीवेज से दूर रहें।

क्या नहीं करना चाहिए:

- **अफवाहों से बचें**
  केवल सत्यापित जानकारी पर ही विश्वास करें और साझा करें।
- **असुरक्षित परिस्थितियों से बचें**
  बरसात के मौसम में पेड़ के नीचे या बिजली के खंभे के पास खड़े होकर मोबाइल फोन से सूचना प्रसारित न करें।
- **केवल आधिकारिक स्रोतों पर भरोसा करें**
  अप्रमाणित या बाहरी स्रोतों से आए संदेशों पर विश्वास न करें और उन्हें आगे न बढ़ाएँ।

आपातकालीन संपर्क

- राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र *(SEOC): 1070*
- आपातकालीन सेवाएं *(ERSS – पुलिस / फायर / एम्बुलेंस / आपदा): 112*
- राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र *(SEOC)* मोबाइल नंबर: *821867005, 9058441404*
- जिला आपातकालीन संचालन केंद्र *(DEOC): 1077*
- आपदा *(भूकंप / बाढ़ / चक्रवात)* – एन.डी.एम.ए. कंट्रोल रूम: *022-22027990*
- नदी जल स्तर सूचना: शारदा बैराज टोल फ्री नं. *9548248733*

- परिकल्पना, चित्रांकन एवं डिज़ाइन: रेनू सुयाल, *CEDAR*
- मानचित्र निर्माण एवं डिज़ाइन सहयोग: नंदिनी डंगवाल, *CEDAR*
- *CBFEWS* सामुदायिक नेटवर्क *(सहयोगी संस्थाएँ):*